कोर्स:- बी.ए. (भाग- I)

विषय: - राजनीति विज्ञान

ऑनलाइन क्लासनोट्स संख्या: - ०3

(कोरोनोवायरस महामारी के कारण कक्षाओं के नुकसान के बदले में क्लास नोट्स)

(ऑनर्स के साथ-साथ सहायक के पाठ्यक्रम के लिए प्रासंगिक)

दबाव समूह (PRESSURE GROUPS): प्रकार और महत्व

दबाव समूहों के प्रकार (Types of Pressure Groups)

- दबाव समूहों के प्रकारों को परिभाषित करना आसान नहीं है। विभिन्न समूहों के बीच सीमाओं का धुंधलापन देखा जा सकता है।
- उदाहरण के लिए, राजनीतिक दलों को कभी-कभी दबाव समूह की श्रेणी में शामिल किया जाता है।
- हालांकि, अक्सर राजनीतिक दलों को दबाव समूह की श्रेणी में शामिल नहीं किया जाता है। अक्सर, दबाव समूहों को उन समूहों के रूप में देखा जाता है जो सरकार से बाहर रहते हैं लेकिन सरकार के नीतियों और गतिविधियों को प्रभावित करें

- Almond और Powell पॉवेल के अनुसार, दबाव समूहों को चार श्रेणियों में वर्गीकृत किया जा सकता है:
- संस्थागत समूह (Institutional groups):
    - ये दबाव समूह हैं जिनमें पेशेवर रूप से कार्यरत व्यक्ति शामिल होते हैं जो सरकारी मशीनरी का हिस्सा होते हैं और अपने प्रभाव को बढ़ाने की कोशिश करते हैं।
    - राजनीतिक दल, व्यापार निगम, विधानसभाएँ, सेनाएँ, नौकरशाही और चर्च संस्थागत समूहों के उदाहरण हैं जहाँ विशिष्ट सदस्यों को सरकार की पैरवी के लिए विशेष ज़िम्मेदारी दी जाती है।
    - ये समूह सरकार के लिए अपनी शिकायतों को उठाने के लिए संवैधानिक साधनों का पालन करते हैं और यदि वे विरोध करते हैं तो वे नियमों और विनियमों के अनुसार ऐसा करते हैं।
- सहयोगी समूह (Associational groups):
    - ये समूह अपने साझा और सीमित उद्देश्यों का प्रतिनिधित्व करने के लिए लोगों द्वारा गठित विशेष स्वैच्छिक समूह हैं।
    - इनमें ट्रेड यूनियनों, वाणिज्य मंडलों और निर्माताओं के संघ और नागरिक समूह शामिल हैं।
    - वे विशिष्ट रूप से एक विशेष समूह के व्यक्त हितों का प्रतिनिधित्व करते हैं।
    - वे पूर्णकालिक पेशेवर कर्मचारियों को नियुक्त करते हैं, और हितों और मांगों के गठन के लिए क्रमिक प्रक्रियाओं का पालन करते हैं।
- गैर-सहयोगी समूह (Non-associational groups):
    - ये समूह जातीयता, क्षेत्र, धर्म, व्यवसाय और शायद रिश्तेदारी के सामान्य हितों पर आधारित हैं।
    - इन समूहों में अनौपचारिक संरचना है और इसलिए शायद ही कभी अच्छी तरह से व्यवस्थित किया जाता है।
    - गैर-सहयोगी समूह एक बहुत बड़ा समूह हो सकता है जो औपचारिक रूप से संगठित नहीं हुआ है।
    - इसके सदस्य अपने आर्थिक हितों को समझते हैं।
    - यह समूह "छोटे रिश्तेदारी, वंश, आर्थिक या जातीय उप-समूह, जिनके सदस्य एक-दूसरे को व्यक्तिगत रूप से जानते हैं"

- एनोमी समूह (Anomie groups):
    - ये अधिक या कम सहज समूह हैं जो अचानक बनते हैं जब कई व्यक्ति निराशा, निराशा या अन्य मजबूत भावनाओं के समान प्रतिक्रिया करते हैं।
    - वे बिना किसी योजना के अचानक उठते और घटते हैं।
    - इसका कारण यह है कि लंबे समय से निराश भावनाओं वाले व्यक्ति "अचानक अपने गुस्से को हवा देने के लिए सड़कों पर ले जाते हैं क्योंकि नए अन्याय की अफवाह समुदाय पर छा जाती है या सरकारी कार्रवाई की खबर गहरी भावनाओं को छू लेती है।"
    - उनकी कार्रवाई से हिंसा हो सकती है। इसका मतलब यह नहीं है कि उनके सभी कार्य हिंसा का नेतृत्व करते हैं।
    - ये समूह प्रदर्शनों, जुलूसों और हस्ताक्षर अभियानों द्वारा अपनी शिकायतों का प्रतिनिधित्व करते हैं।

दबाव समूहों का महत्व (Significance of Pressure Groups)

- राज्य में जाँच और संतुलन बनाए रखने के लिए –
    - सरकारी मशीनरी के अस्तित्व में आने के बाद से ही दबाव समूह अलग-अलग रूपों में अस्तित्व में हैं।
    - आज के समय में जहां राज्य ने एक कल्याणकारी भूमिका निभाई है, राज्य पर दबाव बनाने की आवश्यकता बहुत अधिक है।
    - यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि समाज के विभिन्न वर्गों के प्रतिस्पर्धी हितों के विकास का मॉडल न बने जो दूसरों की कीमत पर कुछ की बेहतरी का संकेत देता है।
    - यह सुनिश्चित करना है कि राज्य समाज के सभी वर्गों की चिंताओं को दूर करे, चाहे वह गरीबों की बुनियादी जरूरतों को पूरा करने में मदद करे या अपने आर्थिक प्रयासों में धनी लोगों को प्रोत्साहित करे।
    - इस संतुलन को बनाए रखना सरकार का कर्तव्य है और दबाव समूहों की जिम्मेदारी सरकार को उसी के प्रति जवाबदेह बनाना है।

- शिक्षित जन –
    - ❖ दबाव समूहों की जिम्मेदारी है कि वे न केवल सरकार को रोक कर रखें बल्कि संविधान के तहत जनता को उनके अधिकारों और कर्तव्यों के बारे में शिक्षित करने का भी कर्तव्य है।
    - ❖ एक जीवंत लोकतंत्र के लिए एक प्रबुद्ध मतदाता और उत्तरदायी राजनीतिक और प्रशासनिक प्रणाली की आवश्यकता होती है।
    - ❖ दबाव समूह ऐसे आउटलेट हैं जो पहले सरकार द्वारा अनदेखी किए गए विशिष्ट हितों के बारे में जनता को संगठित और संगठित करके और फिर इन हितों की पूर्ति के लिए सरकार को जिम्मेदार ठहराते हैं।
    - ❖ उदाहरण के लिए, राजस्थान राज्य में, एक मज़दूर संगठन जिसे शक्ति किसान शक्ति संगठन (MKSS) के नाम से जाना जाता है, लोगों को सवाल बनाने और सड़कों पर खर्च होने वाले पैसे, गरीबों को ऋण आदि की जानकारी देने में सफल रहा।
    - ❖ इसने सूचना आंदोलन के अधिकार को आधार बनाया जो सुनिश्चित करता है कि नागरिकों के पास सरकार से उनके बारे में गतिविधियों के बारे में जानकारी प्राप्त करने का एक उपकरण है।
- राजनीतिक दलों की अपर्याप्तता की खाई को पूरा करना –
    - ❖ राजनीतिक दल पूरी तरह से नागरिकों के हितों को पर्याप्त रूप से और पूरी तरह से पेश करने में सक्षम नहीं हैं, जैसा कि कोई उनसे उम्मीद करता है।
    - ❖ अधिकांश राजनीतिक दल एक ही सामाजिक आधार के लिए प्रतिस्पर्धा करते हैं और इसलिए एक पार्टी कार्यक्रम और दूसरे नीतिगत स्तर पर बहुत कम अंतर होता है।
    - ❖ इससे देश की सामाजिक-आर्थिक व्यवस्था में भारी गिरावट आई है। ये अंतराल दबाव समूहों द्वारा भरे गए हैं।
    - ❖ उदाहरण के लिए, आज की आर्थिक व्यवस्था में जहां राज्य ने नियोजित विकास का विकल्प चुना है, नागरिकों को राज्य के इरादों पर संदेह हो सकता है।
    - ❖ यह संगठित दबाव समूहों को एक काउंटर-चेक राजनीतिक दलों और सरकार के रूप में जन्म देता है।
    - ❖ उदाहरण के लिए, भूमि सुधार हमेशा भारतीय राज्य के इतिहास में एक विवादित मुद्दा रहा है। इससे संबंधित कोई भी नीति परिवर्तन हमेशा संबंधित नागरिकों के लिए संदेह का स्रोत रहा है। राजनीतिक दल ऐसे मुद्दों को नहीं उठा सकते हैं और न ही उनके

प्रतिस्पर्धी हितों या समाज के सभी वर्गों की सेवा करने की आवश्यकता के कारण इस तरह के मुद्दों को मुखर कर सकते हैं।

- ❖ हालाँकि दबाव समूह ऐसी मजबूरी और चेतावनी के तहत काम नहीं करते हैं और ऐसे नीतिगत परिवर्तनों से संबंधित लोगों का प्रतिनिधित्व करते हैं।

- अल्पसंख्यकों का प्रतिनिधित्व –
  - ❖ दबाव समूह बहुसंख्यकों के अत्याचार को काटने में मदद करते हैं क्योंकि वे अल्पसंख्यकों के मुद्दों का प्रतिनिधित्व करते हैं।
  - ❖ ऐसा करने पर, वे महत्वपूर्ण परिवर्तन लाते हैं और चुनावी प्रक्रिया में अंतर को प्लग करते हैं।
  - ❖ दबाव समूहों के बिना, अल्पसंख्यकों को वोट देने के दौरान हर 5 साल में एक बार के अलावा सरकारी जवाबदेह रखने का मौका नहीं मिल सकता है।
- राजनीतिक प्रणाली में भागीदारी बढ़ाता है –
  - ❖ दबाव समूह नागरिकों को चुनाव के बीच सरकार को प्रभावित करने का अवसर प्रदान करते हैं।
  - ❖ उदाहरण के लिए, एक नागरिक एफडीआई पर प्रतिबंध लगाने के लिए एक दबाव समूह में शामिल हो सकता है, भले ही उन्होंने एफडीआई के पक्ष में एक सांसद या विधायक को वोट दिया हो।
  - ❖ उन्होंने इस सांसद या विधायक के लिए मतदान किया हो सकता है क्योंकि उनकी राय और विचार उनके चुने हुए प्रतिनिधि के साथ अन्य समान रूप से शक्तिशाली मुद्दों पर मेल खाते हैं और जिनकी एफडीआई पर उनकी स्थिति से नागरिक असहमति हो सकती है।
  - ❖ हालांकि चुनाव में एक वोट का मतलब यह नहीं है कि नागरिक को FDI की अपनी चिंता को छोड़ना होगा।
  - ❖ अपने चुने हुए प्रतिनिधियों के बजाय, एक नागरिक सरकार को अपने विचारों का प्रतिनिधित्व करने के लिए दबाव समूहों की मदद ले सकता है।
- सरकार की गुणवत्ता बढ़ाता है और विधायी परिवर्तन लाता है –
  - ❖ दबाव समूह न केवल अपने विशिष्ट हितों के लिए सरकार पर प्रभाव डालते हैं बल्कि अपने मामले के समर्थन में विशेषज्ञ ज्ञान, तथ्य, अनुसंधान भी सामने लाते हैं।

- ❖ इसलिए वे संबंधित विषय पर विशेषज्ञों को सामने लाकर किसी विषय पर प्रवचन की गुणवत्ता में सुधार करते हैं।
- ❖ अक्सर समय, सरकार इन समूहों की विधायिका बनाने में मदद ले सकती है क्योंकि यह विशिष्ट क्षमता है।
- ❖ दबाव समूह अक्सर एक सामाजिक कारण के लिए बनते हैं, विशेष रूप से, समाज में महत्वपूर्ण परिवर्तन लाने की शक्ति रखते हैं।
- ❖ यह भारत में महिलाओं के आंदोलन से स्पष्ट है जिसने वर्षों में पुरातन ब्रिटिश कानूनों को ध्वस्त करने और महिलाओं को कानूनी रूप से बदलने और भारतीय समाज में महिलाओं की स्थिति में सुधार के लिए अध्यादेश लाने में केंद्रीय भूमिका निभाई है।

Note (ध्यान दें): -

- प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 150-200 शब्दों में लिखें।
- अपने हाथ से लिखे या टाइप किए गए उत्तर ईमेल पर भेजें या इसे गूगल कक्षाएं (Google Class) पर अपलोड करें।

Questions (प्रश्न): -

1. Almond और Powell द्वारा वर्गीकृत, दबाव समूहों के प्रकार बताइए?
2. लोकतंत्र में दबाव समूह क्या भूमिका निभाते हैं?
3. लोकतंत्र में दबाव समूहों के हस्तक्षेप की सीमा क्या होनी चाहिए? चर्चा करें।